डिफेंड (जैविक फफूंदरोधक)

बीमारियों से लड़ने की असाधारण आंतरिक शक्तिवर्धक

डिफेंड संपूर्ण रूप से अंतर प्रवाही होने के कारण पौधों में मुक्त रूप से संचार करता है । जैसे डिफेंड को जमीन में पौधों को देने से वह जड़ों से पत्तों की ओर जाता है या डिफेंड को पत्तों के ऊपर छिड़काव करने से वह पत्तों से जड़ों की ओर जाता है । इस कार्य को बेसिपेटल और एक्रोपेटल संचार कहते है । इस कारण बिमारीयों पर डिफेंड जल्द से जल्द कंट्रोल करने में मदद करता है । डिफेंड के छिड़काव से पौधों में प्राकृतिक रूप से बायोटीन के निर्मिती में मदद मिलती है । परिणाम स्वरूप पौधों की रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ती है ।

इस्तेमाल के फायदे :-

* डिफेंड के छिड़काव से पौधों में प्राकृतिक रूप से बायोटिन के निर्मिती में मदद मिलती है । परिणाम स्वरूप पौधों की रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ती है ।
* डिफेंड के छिड़काव से पौधों में बायोटिन के सेना की सिर्फ निर्मिती ही नहीं होती बल्कि उनके पोषण के लिए अन्य तत्वों को देने में भी मदद मिलती है ।
* डिफेंड संपूर्णता सुरक्षित है ।
* डिफेंड इन सभी फसलों के लिए फायदेमंद है –सभी प्रकार की सब्जियाँ, नींबू, संतरा, मोसंबी, सुपारी, इलायची और नारियल के फसलों में फायेटोप्थोरा की वजह से आनेवाली बीमारियाँ में फायदेमंद है।
* टमाटर, बैंगन, मिर्च, आलू, प्याज, लहसून, हल्दी, अदरक इनपर देर से आने वाला करपा (Late Blight) इस पर फायदेमंद है।
* अनार के फूल, पत्ते, फल इस पर फफूंद की वजह से आने वाले धब्बे के लिए फायदेमंद है।
* अंगूर की फसल पर आने वाली बीमारी जैसे डाऊनि मिल्ड्यू, फलकुंज पर फायदेमंद है।

इस्तेमाल कैसे करें :-

* डिफेंड 2 ग्राम प्रति लीटर पानी में लेकर छिड़काव करें ।
* डिफेंड 500 ग्राम प्रति एकड़ में ड्रेंचिंग या ड्रिप इरिगेशन द्वारा जमीन में दे सकते है ।

निर्देश :- * डिफेंड को गंधक या बोर्डो मिश्रण के साथ मिलाकर छिड़काव ना करें ।
* इसके अच्छे परिणामों के लिए सुबह 11 बजे के पहले या शाम 5 बजे के बाद छिड़काव करें ।